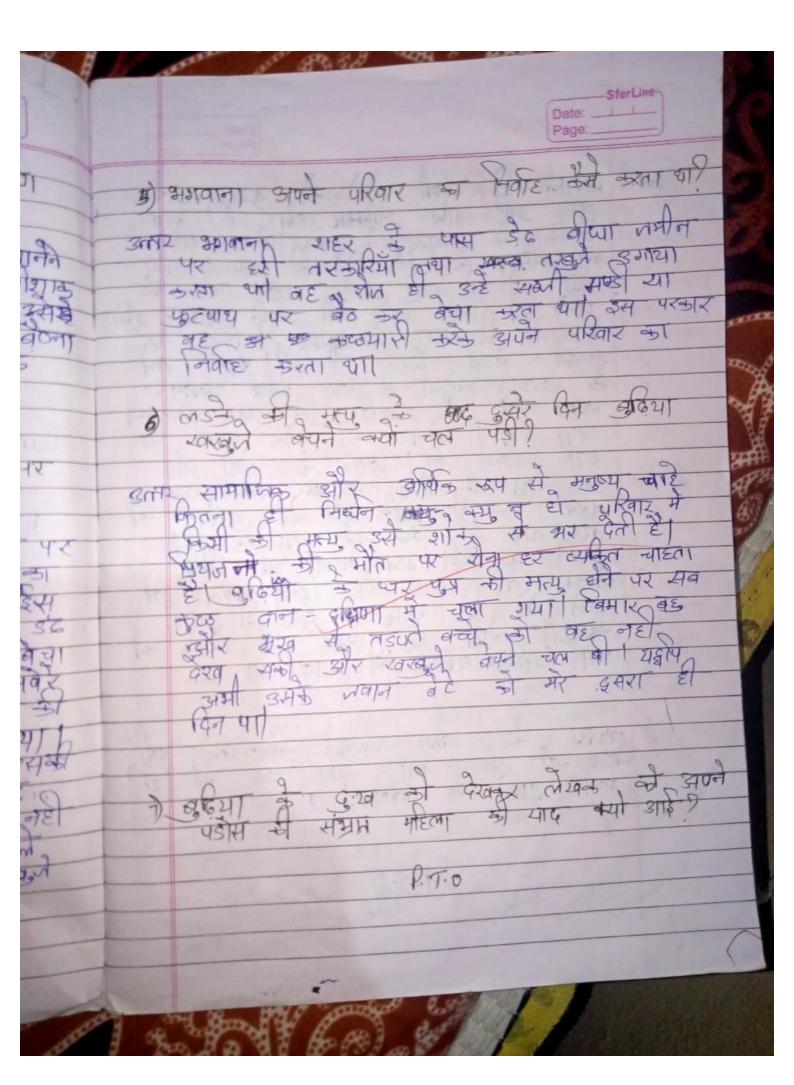
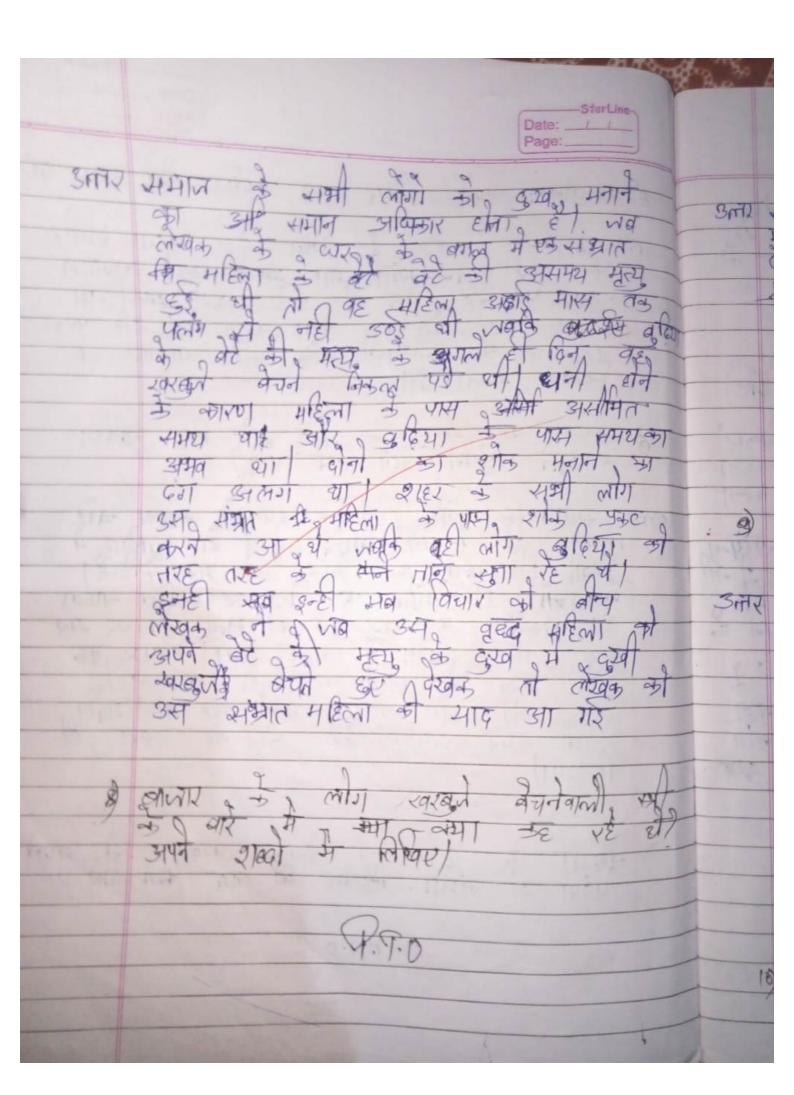
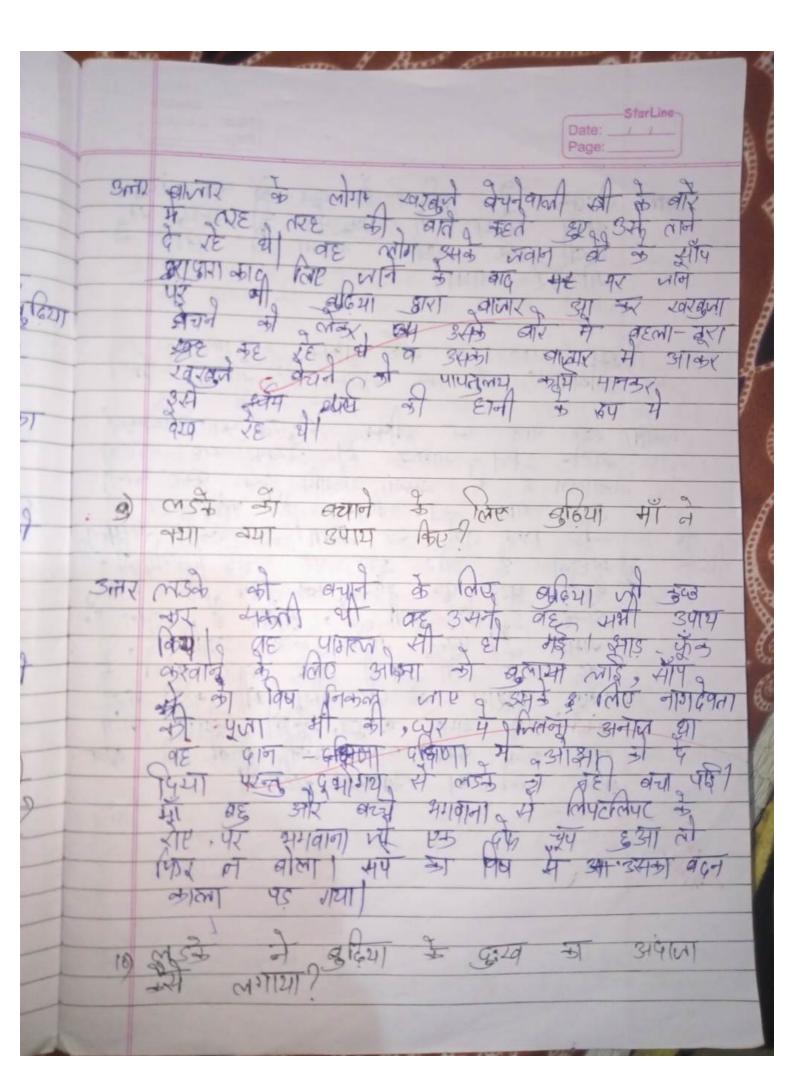
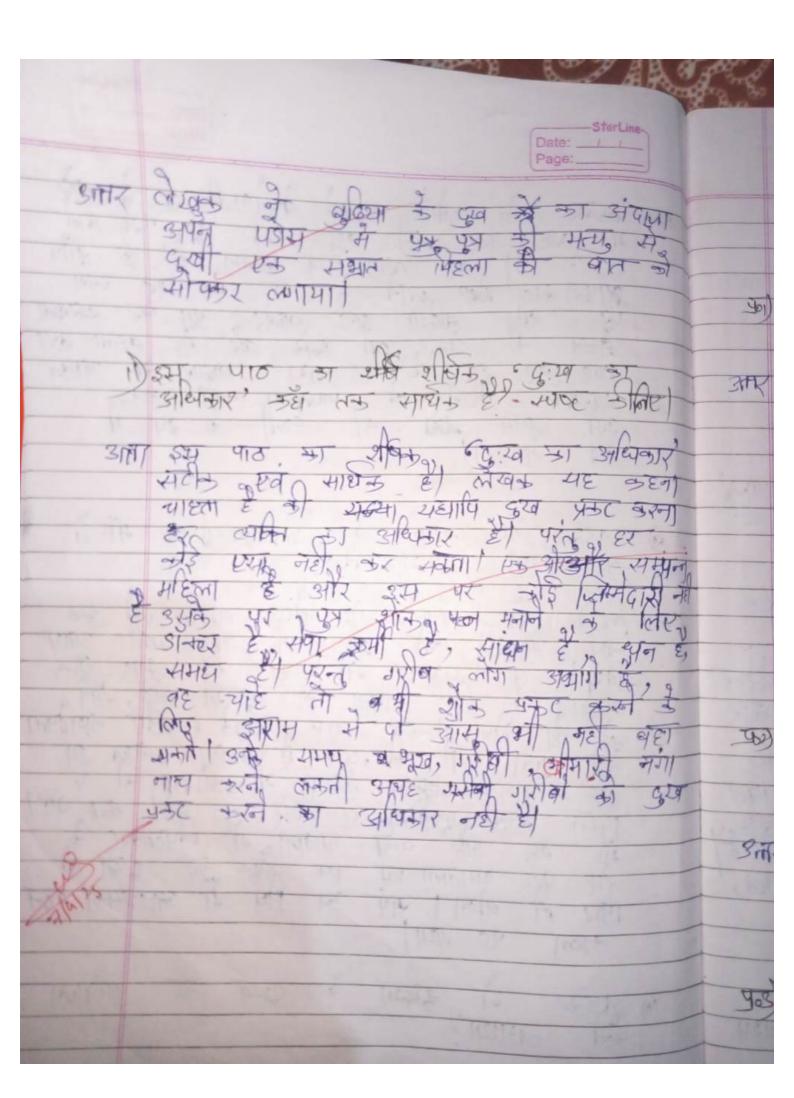


Date: विध्वक द्वस स्त्री के रोने का कारण भगवान 3mz लेखक उमके रोने के कारण के कारण नहीं जान पांचा म्यो 3417 3019 TAVE जान पापा मी के फटपाय उसरे उस जानने के लिए उसके पास ारेवलाफ पा पड़ीस की दुकानी से युवाने मधा बात पुत्र यंत्रा पास पट्टीम के पुरानी में पुराने पर DE , पार्वेस द्वा शा - मेंबानी व वह वा वह शहर डे पास. बीधा जमीन पर सोइनयों, उगाकर बेचा वह पर्के हर खरवज तोड़ एहा चा डी म । उसे , इस क्लिया , जिससे उसकी हा गो उसके भरने के न्हादि । या अधह मायुरी में उसे आली लिए अपार में बैठना



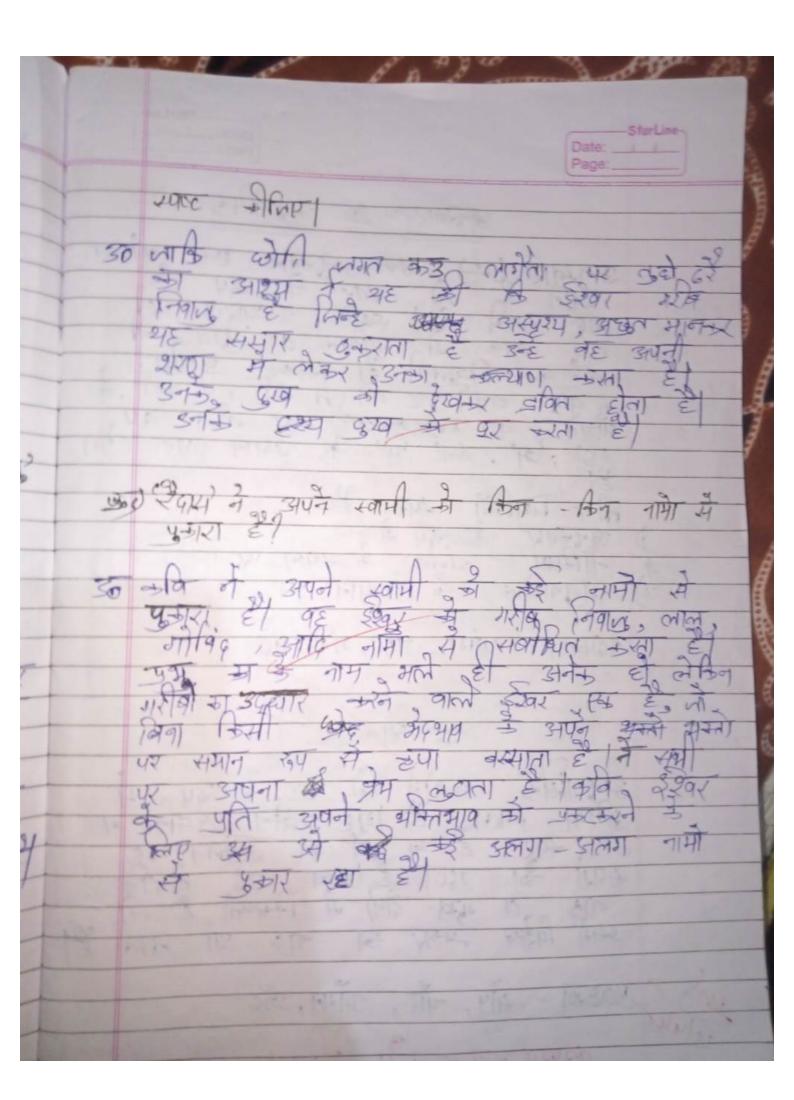


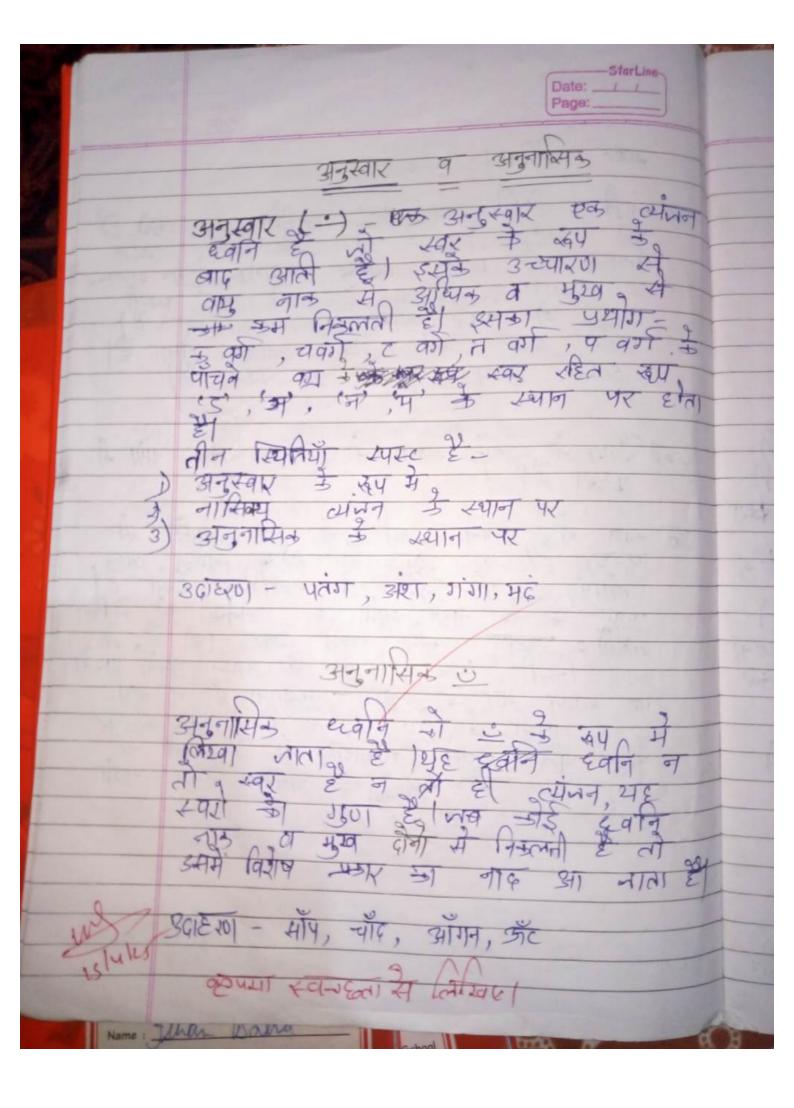


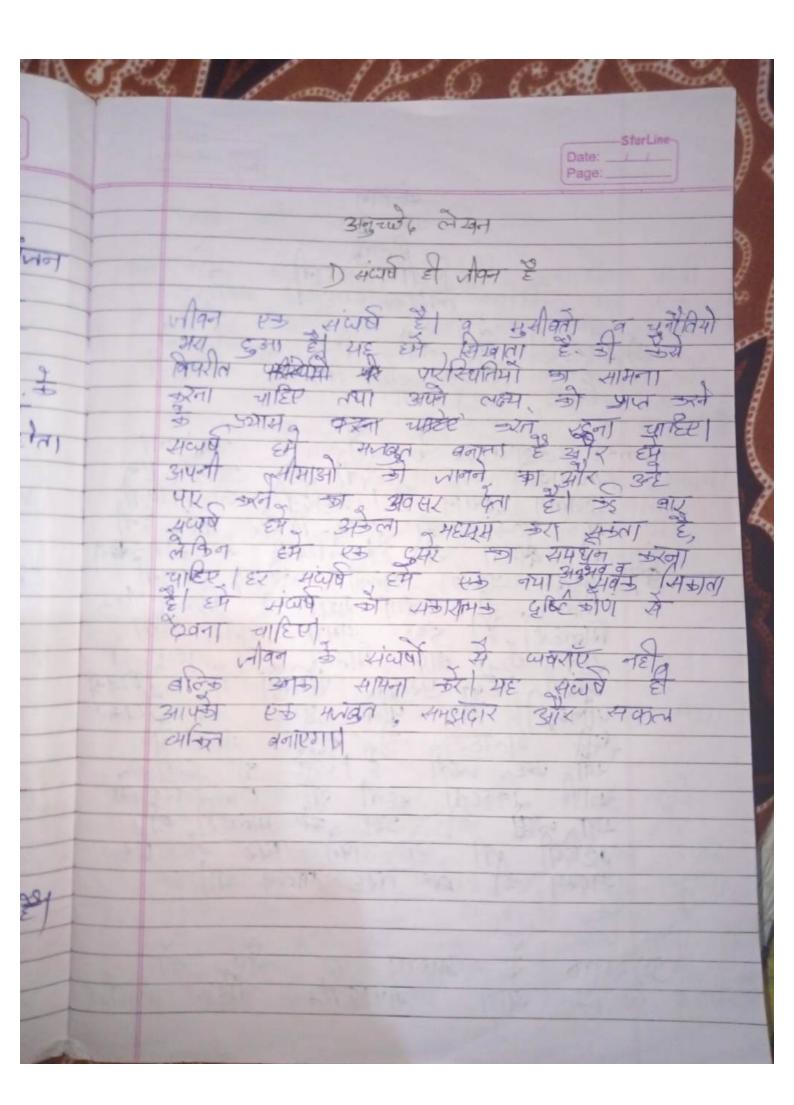


StorLine पश - पाठ 1 रेवास क) पुरले पद में भगवान और अम्म को जिन-जिन चीजी में ज्यान की गई है, उनका उल्लेख की जिल अगर पहले पद में असत में ईश्वर के प्रति अपने भूमि अव के व्यस्त करने के लिए के पहले पद भग्वान और भन्त की चंद्रन - पानी, धन वन- मीर, दीपक - बाती, मुक्ती मीति - धागा, सीना सुंहागा आदि से मुक्ता पुलना की गुर्क ही मुक्त भागत के माध्यम से पुण्य के माम की लगन में गूग जाना पाष्ट्रता है और इसलिए यह किसी al पाहला है। रूप में भगवान में पड़ना पहली के प्रयोग में नाद मीदर्थ आ गया है प्रेरी-राजी, समानी आदि। इस पद में अन्य तुम्त राह्य लिखत 929 अतार पद्म के जन्म द्वारा राहि है -पानी-पुड़ी पहले सुंबद पंद में उंदर्व सेवद है। हम राहद

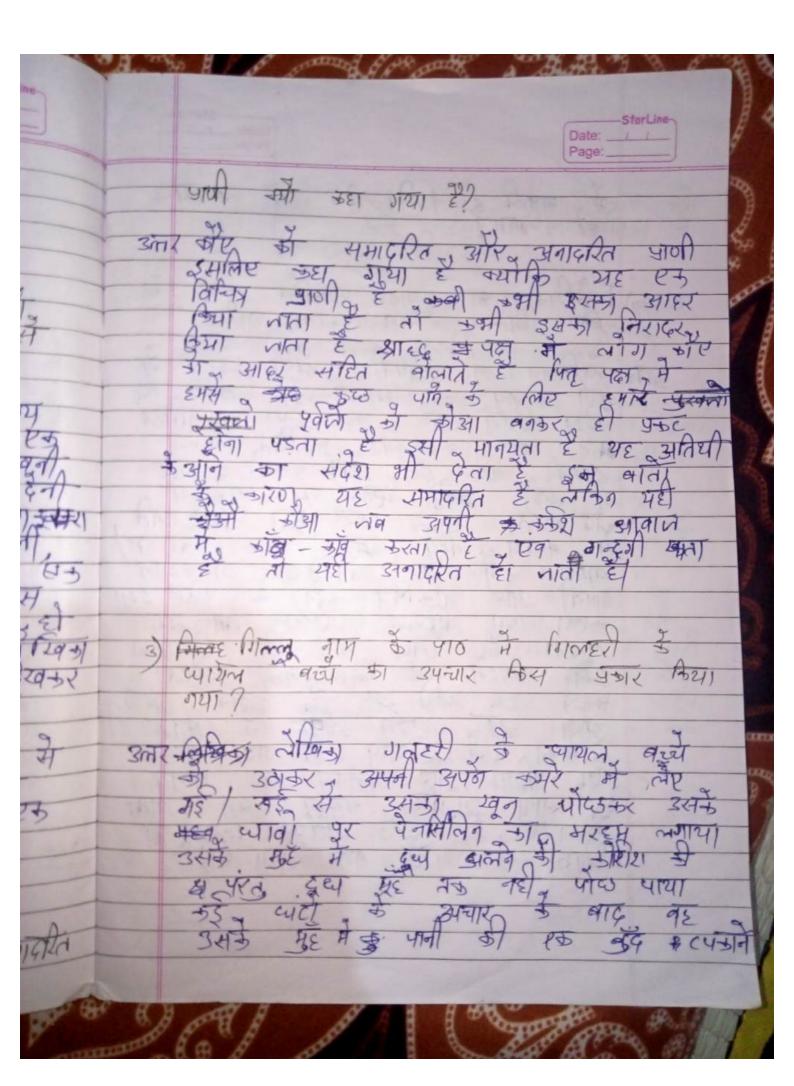
छाटचर लिबिएन 49-5 अवि ने 44 प्र मे गरेष्ट्र SITE भगवान इतन ही ग्रामी ह ville, it 345 4412 W/71 E 两 43/1930 अस्पृथ्पता पुष् उनम् भा 1-5 409 4819 3 4199 , 34th golden JE WAT पुन्ने के दूर मेर पद की जारी क्वीत







Page 4-440 401 उत्तर प्राथावादः न रचनाकारो म उसलाग स्पान 3190) mp 350 410



Page:____ में सफल हुई। तीन दिन वह लिए गिल्ली म्पा भरता छ। अतार लेखिक। ने बुखपर्की सेवा भाव में पूर्ण कपूर्व में गिल्ली की स्वस्थ के विद्या ज्यान पर वृह उनमें धुलिसल अता बुख इस हर्षे क्यों करने स्वा वृह इस हर्षे क्यों SAR WIT 一面 351 B V41 A8 88 उसन पनडने के ति 7 3/9 Ry Sta पानवरी की भागव च सवस्य वहा जाता के अवस्य गिला की

-StarLine-Page:__ 7-21 गल्ला है अस्त करने न की आवश्यकता भी अम्सी गरे और उसक लिए लेखिका ने 1) monda 4 अमर पव 22117 उन्ही इन्छाईस्माओं जा समान करती थी वह पंत्र, -पंतियो चे दिसी वंद्यन में नहीं रावना न्यहती थी जब उन्हें महस्सम होया ची जन जन्म बाह्य जाना न्याहता वेद तो उन्होंने, उसे बाह्य जान के लिए स्वयं सस्ता देंए दिया भूमिन विभा रध पारी

Date: Page: बीमार ~ Dato प्रभात SATE 964 इतन 3in परिचारिका के हुट्ग के रूस प्रकार या विकास त जीतिका न प्रतिकारिका 2/45 9 A 48 319 उसन सम 3rik: n 3111 199 DIM Ma und 310 31R Da HZ 317 9E W 1121

